दैनिक जागरण 02
शनिवार, 20 नवंबर, 2021

सीएसए के कुलपति बने उपाध्यक्ष

जासं, कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि (सीएसए) में भारतीय बागवानी सम्मेलन के दूसरे दिन भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी की आम बैठक हुई। इसमें अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री डा. केएल चड्ढा ने वर्ष 2022 से 2024 के लिए गठित समिति में सीएसए विवि के कुलपति डा. डीआर सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया। साथ ही पंजाब कृषि विवि लुधियाना के डा. एएस ढत्त्त, केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ के निदेशक डा. शैलेंद्र राजन, भारतीय कृषि शोध संस्थान के डा. प्रीतम कालिया और जोधपुर कृषि विवि के पूर्व कुलपति डा. बलराज सिंह को एग्जीक्यूटिव काउंसलर बनाया गया।

अकादमी की बैठक में अध्यक्ष पद्मश्री डा. केएल चड्ढा ने फल उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अरुणाचल प्रदेश से आए प्रोफेसर बीएन हजारिका, उदयपुर (राजस्थान) से आए डा. आरए कौशिक, पंजाब से आए डा. हरविंदर सिंह, डीआरडीओ नई दिल्ली के निदेशक डा. संजय कुमार द्विवेदी व वाराणसी से आए डा. हरे कृष्णा और सब्जी विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिए झारखंड से आए डा. आरएस पान, वाराणसी से आए डा. राजेश कुमार और नई दिल्ली से आए डा. आरके यादव को अकादमी की फेलोशिप से सम्मानित किया।

उद्यानिकी फसल उत्पादन से हो रही भूमि की उत्पादकता में वृद्धिः संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता आंध्रप्रदेश स्थित बागवानी विवि के कुलपति डा. टी जानकीरमन ने और सह अध्यक्षता बीकानेर (राजस्थान) से आए डा. पीएल सरोज व इटावा दुग्ध विज्ञान के अधिष्ठाता डा. सीपी सचान ने की। वैज्ञानिकों ने कम प्रयोग होने वाले विभिन्न फलों के मानव स्वास्थ्य एवं पोषण महत्व को देखते हुए देश के विभिन्न भागों में उत्पादन व उपलब्धता बढ़ाने पर चर्चा की।

गोभी समेत तमाम सब्जियों की नई किस्में, वर्ष भर करें उत्पादन

कानपुर : भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की ओर से गोभी, भिंडी, पालक, मूली, धनिया समेत तमाम सब्जियों की ऐसी किस्में विकसित की गई हैं, जिनका उत्पादन वर्ष भर हो सकता है। लागत थोड़ी ज्यादा होगी, लेकिन मुनाफा भी कई गुना होगा। बागवानी सम्मेलन में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के शाकीय विज्ञान विभाग के अध्यक्ष व संयुक्त निदेशक (एक्सटेंशन) डा. बीएस तोमर ने यह जानकारी दी।

स्वीट कार्न व बेबी कार्न का करें उत्पादन

डा. बीएस तोमर ने किसानों को स्वीट कार्न व बेबी कार्न का उत्पादन करने की सलाह दी। मक्का की यह प्रजाति वर्ष भर और कम समय में होती है। उप्र का मौसम अनुकूल है। दोनों फसलों की यूरोप में काफी मांग है। किसान तीन गुना मुनाफा कमा सकते हैं।

लखनऊ संस्करण
वर्ष-06, अंक - 28
शनिवार, 20 नवंबर 2021
पृष्ठ 12
मूल्य 3 रु*
दैनिक भास्कर
देश का सबसे विश्वसनीय अखबार
For epaper → www.updainikbhaskar.com
06

भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष बने सीएसए कुलपति

भास्कर न्यूज

कानपुर। सीएसए में चल रही चार दिवसीय 9वी भारतीय बागवानी सम्मेलन के दूसरे दिन आज शुक्रवार को भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी की हुई वार्षिक आम बैठक मे बताया गया कि वर्ष 2022-24 हेतु गठित समिति मे चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह को उपाध्यक्ष तथा डॉ ए. एस. दत्त पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना, डॉ शैलेंद्र राजन निदेशक केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ, डॉक्टर प्रीतम कालिया आईएआरआई नई दिल्ली एवं डॉ बलराज सिंह पूर्व कुलपति कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को समिति का एग्जीक्यूटिव काउंसलर बनाए जाने की घोषणा अकादमी के अध्यक्ष पदम डॉक्टर के एल चड्ढा द्वारा की गई। अकादमी की इस सामान्य बैठक मे अध्यक्ष डॉक्टर के एल चड्ढा ने फलोत्पादन के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोफेसर बीएन हजारिका अरुणाचल प्रदेश, डॉ आर ए कौशिक उदयपुर राजस्थान, डॉक्टर हरविंदर सिंह पंजाब, डॉ संजय कुमार द्विवेदी निदेशक डीआरडीओ नई दिल्ली तथा डॉक्टर हरे कृष्णा बनारस के साथ-साथ सब्जी विज्ञान मे डॉक्टर आर एस पान झारखंड, डॉ राजेश कुमार बनारस, डॉक्टर आरके यादव नई दिल्ली को अकादमी की फेलोशिप से सम्मानित भी किया। इसी क्रम मे संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ टी जानकी रमन कुलपति बागवानी विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश तथा सह अध्यक्षता डॉ पी एल सरोज बीकानेर राजस्थान एवं डॉ सी पी सचान अधिष्ठाता दुग्ध विज्ञान इटावा ने की। इस दौरान विभिन्न कम प्रयोग होने वाले विभिन्न फलों का मानव स्वास्थ्य एवं पोषण महत्व को देखते हुए देश के विभिन्न भागो मे उनके उत्पादन एवं उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई।

चतुर्थ तकनीकी सत्र मे अनुपयुक्त भूमि का उद्यानिकी फसलें उगा कर समुचित उपयोग कर उनको विभिन्न फलों मुख्यता अनार, इमली, बेल के साथ अन्य फसलों को उत्पादित कर भूमि को उत्पादन हेतु योग्य बनाते हुए देश एवं प्रदेश मे फलों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए गहन विचार विमर्श किया गया।

कानपुर यूनिवर्सिटी के कुलपति को मिला भाषा विवि का प्रभार

कानपुर। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को भाषा विश्वविद्यालय के नए कुलपति से जुड़ा आदेश जारी कर दिया। छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को लखनऊ के ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति का प्रभार सौंपा गया है। यह नियुक्ति अगले आदेशों तक जारी रहेगी। भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति रहे प्रो. अनिल कुमार शुक्ला को अजमेर के महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय, राजस्थान बनाया गया है। 24 नवंबर को प्रो. अनिल कुमार शुक्ला को भाषा विश्वविद्यालय के कुलपति के प्रभार से कार्यमुक्त कर दिया जाएगा।

आज महानगर
कानपुर 20 नवम्बर, 2021 5

मनुष्य के पोषण में फलों का विशेष महत्व

❑ सीएसए के कुलपति डा. डी.आर. सिंह को भारतीय बागवानी अकादमी उपाध्यक्ष बनाया गया

वैज्ञानिक को प्रमाणपत्र देते पदमश्री डॉ. के. एल चड्ढा साथ में कुलपति डा. डीआर सिंह।

कानपुर, 19 नवम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के (भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष) कुलपति डॉ.डीआर सिंह की ओर से आज 9वीं भारतीय बागवानी सम्मेलन के दूसरे दिन भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी की हुई वार्षिक आम बैठक हुई जिसमें वर्ष 2022-24 हेतु गठित समिति में चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉ. डीआर सिंह को उपाध्यक्ष बनाये जाने की घोषणा की गई। सम्मेलन में कृषि वैज्ञानिकों द्वारा विभिन्न फलों का मानव स्वास्थ्य एवं पोषण महत्व को देखते हुए देश के विभिन्न भागों में उनके उत्पादन एवं उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। चतुर्थ तकनीकी सत्र में अनुपयुक्त भूमि का उद्यानिकी फसलें उगा कर समुचित उपयोग कर उनको विभिन्न फलों मुख्यता अनार, इमली, बेल के साथ अन्य फसलों को उत्पादित कर भूमि को उत्पादन के लिए योग्य बनाते देश एवं प्रदेश में फलों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए गहन विचार विमर्श किया गया। बैठक में अकादमी के अध्यक्ष पदमश्री डॉ. के. एल. चड्ढा ने फलोत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रो. बीएन हजारिका अरुणाचल प्रदेश, डॉ आर ए कौशिक उदयपुर राजस्थान, डॉ हरविंदर सिंह पंजाब, डॉ संजय कुमार द्विवेदी निदेशक डीआरडीओ नई दिल्ली तथा डॉ हरे कृष्णा बनारस के साथ-साथ सब्जी विज्ञान में डॉ आर एस पान झारखंड, डॉ राजेश कुमार बनारस, डॉ आरके यादव नई दिल्ली को अकादमी की फेलोशिप से सम्मानित भी किया।

बैठक में डॉ ए. एस.ढत्त पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना, डॉ शैलेंद्र राजन निदेशक केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ, डॉ. प्रीतम कालिया आईएआरआई नई दिल्ली एवं डॉ बलराज सिंह पूर्व कुलपति कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर को समिति का एग्जीक्यूटिव काउंसलर बनाए जाने की घोषणा अकादमी के अध्यक्ष पदमश्री डॉ. के. एल चड्ढा. द्वारा की गई।

सम्मेलन के तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता डॉ. टी. जानकी रमन कुलपति बागवानी विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश तथा सह अध्यक्षता डॉ पी एल सरोज बीकानेर राजस्थान एवं डॉ सी पी सचान अधिष्ठाता दुग्ध विज्ञान इटावा ने की। इस दौरान सीएसए के कृषि वैज्ञानिकों के अलावा शोधार्थी भी मौजूद रहे।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress
WORLD खबर EXPRESS
शुक्रवार, 19-11-2021 अंक-405
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com
WORLD खबर एक्सप्रेस
MID DAY E-PAPER

भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष बने सीएसए के कुलपति

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में चल रही चार दिवसीय 9वीं भारतीय बागवानी सम्मेलन का आज दूसरा दिन था। भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी की हुई वार्षिक आम बैठक में बताया गया कि वर्ष 2022–24 के लिए गठित समिति में सीएसए के कुलपति डॉ. डीआर सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया है। लुधियाना के पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के डॉ. ए एस ढत्त्त, लखनऊ की केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक डॉ. शैलेंद्र राजन, आईएआरआई नई दिल्ली की डॉ. प्रीतम कालिया तथा जोधपुर कृषि विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. बलराज सिंह को समिति का एग्जीक्यूटिव काउंसलर बनाए जाने की घोषणा अकादमी के अध्यक्ष पदम डॉ. केएल चड्डा ने की।

अकादमी की इस सामान्य बैठक में अध्यक्ष पदम डॉ. केएल चड्डा ने फलोत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रोफेसर बीएन हजारिका अरुणाचल प्रदेश, डॉ. आरए कौशिक उदयपुर राजस्थान, डॉ. हरविंदर सिंह पंजाब, डॉ. संजय कुमार द्विवेदी निदेशक डीआरडीओ नई दिल्ली तथा डॉ. हरे कृष्णा बनारस के साथ–साथ सब्जी विज्ञान में डॉ. आरएस पान झारखंड, डॉ. राजेश कुमार बनारस, डॉ. आरके यादव नई दिल्ली को अकादमी की फेलोशिप से सम्मानित भी किया। संगोष्ठी के तृतीय तकनीकी सत्र की अध्यक्षता आंध्र पद्रेश के बागवानी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. टी. जानकी रमन व सहअध्यक्षता बीकानेर राजस्थान के डॉ. पीएल सरोज, दुग्ध विज्ञान इटावा के अधिष्ठाता डॉ. सीपी सचान ने की। इस दौरान कम प्रयोग होने वाले विभिन्न फलों का मानव स्वास्थ्य व पोषण महत्व को देखते हुए देश के विभिन्न भागों में उनके उत्पादन और उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई।

चतुर्थ तकनीकी सत्र में अनुपयुक्त भूमि का उद्यानिकी फसलें उगा कर समुचित उपयोग कर उनको विभिन्न फलों मुख्यता अनार, इमली, बेल के साथ अन्य फसलों को उत्पादित कर भूमि को उत्पादन के लिए योग्य बनाते हुए देश–प्रदेश में फलों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए गहन विचार–विमर्श किया गया।

शनिवार • 20.11.2021

अमर उजाला 05

स्वीट कॉर्न, बेबी कॉर्न उगाएं, मुनाफा कमाएं

भारतीय बागवानी सम्मेलन में आईएआरआई के वेजीटेबल साइंस विभाग के एचओडी डॉ. बीएस तोमर बोले

संवाद न्यूज एजेंसी

कानपुर। यूपी का किसान अभी भी पुरानी फसलों के उत्पादन को अपनी आय का जरिया बनाए है। मक्का की खेती यूपी में अच्छे स्तर पर हो रही है लेकिन अगर किसान स्वीट कॉर्न और बेबी कॉर्न की फसल बोना शुरू कर दे तो वह कम समय में अधिक मुनाफा कमा सकता है। ये बातें शुक्रवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 9वें भारतीय बागवानी सम्मेलन के दूसरे दिन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईएआरआई) के वेजीटेबल साइंस विभाग के एचओडी डॉ. बीएस तोमर ने कहीं।

डॉ. बीएस तोमर।

डॉ. तोमर ने कहा कि प्रदेश में अभी इन किस्म के कॉर्न का उत्पादन कम हो रहा है। स्वीट कॉर्न में पौष्टिकता ज्यादा होती है। एक हेक्टेयर में 75 से 80 हजार पौधे स्वीट कॉर्न के तैयार होते हैं। सामान्य भुट्टे की तुलना में स्वीट कॉर्न दो से तीन गुना ज्यादा महंगा बिकता है। वहीं, एक हेक्टेयर में बेबी कॉर्न के 85 से 90 हजार पौधे होते हैं। एक पौधे से दो भुट्टे मिलते हैं। सामान्य कॉर्न के पौधों को प्रारंभिक अवस्था में तोड़ लिया जाता है, इन्हें बेबी कॉर्न कहा जाता है। उन्होंने बताया कि इन दोनों कॉर्न में दानों को निकालने के बाद बचा हुआ हिस्सा हरे चारे के रूप में काम में आता है। दोनों कॉर्न को शुरुआती अवस्था में तोड़ लिया जाता है, ऐसे में इन्हें जानवरों से खतरा नहीं होता है। दोनों फसलों में लागत कम आती है। इनकी फसल के साथ अन्य फसल बोई जा सकती हैं। डॉ. तोमर ने अरहर की दाल की पूसा 16 प्रजाति को विकसित किया है जो 118 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। जबकि अन्य सामान्य किस्में 200 दिन में पककर तैयार होती हैं।

आम, अंगूर की नई प्रजातियां कर रहे विकसित

आईसीएआर नई दिल्ली के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. विश्वबंधु पटेल ने बताया कि वह आम, अंगूर और नींबू में नई प्रजातियों को विकसित करने पर काम कर रहे हैं। वह ऐसी किस्में विकसित कर रहे हैं कि जो देश और विदेश दोनों में काम आए। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। डॉ. पटेल ने आम की अरुणिमा, सूर्या, श्रेष्ठा और पीतांबरा प्रजाति को विकसित किया है। अंगूर की पूसा पर्पल, पूसा सीडलेस और स्वर्णिका प्रजाति विकसित की है। इन दोनों प्रजातियों के फलों में बीज छोटा और गूदा ज्यादा होता है।

भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष बने सीएसए के कुलपति

भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी की वार्षिक आम बैठक में सत्र 2022-24 के लिए गठित समिति में सीएसए कुलपति डॉ. डीआर सिंह को अकादमी का उपाध्यक्ष बनाया गया है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना के डॉ. एएस दत्त, निदेशक केंद्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान लखनऊ के डॉ. शैलेंद्र राजन, आईएआरआई नई दिल्ली के डॉ. प्रीतम कालिया और पूर्व कुलपति कृषि विश्वविद्यालय जोधपुर के डॉ. बलराज सिंह को समिति का एग्जिक्यूटिव काउंसलर बनाने की घोषणा की गई है। अकादमी के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. केएल चड्ढा ने बैठक की अध्यक्षता की। फलोत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अरुणाचल प्रदेश के प्रो. बीएन हजारिका, उदयपुर के डॉ. आए कौशिक, पंजाब के डॉ. हरविंदर सिंह, निदेशक डीआरडीओ नई दिल्ली के डॉ. संजय कुमार द्विवेदी, डॉ. हरे कृष्णा, डॉ. आरएस पान, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. आरके यादव को अकादमी की फेलोशिप दी गई।

ये लोग मौजूद रहे

बागवानी विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश के कुलपति डॉ. टी जानकी रमन, डॉ. पीएल सरोज, डॉ. सीपी सचान, डॉ. एचजी प्रकाश, डॉ. खलील खान, डॉ. डीपी सिंह, डॉ. एसएन पांडेय और डॉ. आशीष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 20 नवम्बर • 2021

सीएसए छात्रावास में नशा किया तो होगी कार्रवाई

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिक विवि के छात्रावास में शुक्रवार दोपहर किये गये औचक निरीक्षण में कई खामियां मिली। छात्रावास में छात्रों द्वारा नशा करने की शिकायत भी है। बहरहाल निरीक्षण में मौके पर कहीं शराब बरामद नहीं हुई। निरीक्षण के बाद संबंधित वार्डनों ने छात्रों को चेतावनी दी है कि नशे में मिलने पर उनकी मेडिकल जांच कराई जायेगी। रात में निर्धारित समय सीमा के बाद आने वाले छात्रों को प्रवेश न देने की बात भी कही गई है। छात्रों को डेंगू, जीका और कोविड से बचाव के लिए साफ-सफाई व जरूरी प्रोटोकाल का अनुपालन करने के निर्देश भी दिये गये।

वार्डन वाइके सिंह और डॉ. एसएन पांडेय ने शुक्रवार दोपहर पटेल छात्रावास का औचक निरीक्षण किया। दोनों वार्डनों ने कमरों के अंदर जाकर भी निरीक्षण किया। बाथरूम, मेस व हॉस्टल के हर हिस्से का निरीक्षण किया गया। कमरों में गंदगी व जालों पर छात्रों को फटकार लगाई गई। निरीक्षण के दौरान छात्रों ने मेस में खाने की गुणवत्ता सुधारने की बात कही।

वार्डनों ने किया पटेल छात्रावास का औचक निरीक्षण

देर रात छात्रावास में आने वाले छात्रों को नहीं दिया जायेगा प्रवेश

मेस के भोजन पर नजर रखने को बनेगी छात्रों की प्रॉक्टर कमेटी

मेस में सातों दिन के भोजन के लिए प्रॉक्टर कमेटी बनायेगी मेन्यू

वाद में छात्रों को हॉस्टल से बाहर बुलाया गया व कमियों पर उनके द्वारा ध्यान न दिये जाने पर उन्हें फटकार लगाई गई। किसी बाहरी छात्र या रिश्तेदार को हॉस्टल में न रोकने के निर्देश भी दिये गये। बताया जाता है कि निरीक्षण के दौरान वार्डनों को एक छात्र के कमरे में नशे का सामान मिला। इसी परिप्रेक्ष्य में नशे में मिलने पर मेडिकल जांच कराने की चेतावनी दी गई। छात्रों द्वारा देर रात हॉस्टल से आवागमन करने व हॉस्टल के कमरों में बाहरी लोगों को ठहराने की शिकायत भी मिल रही थी। इसी पर शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया गया।

वार्डन एकोनामी विभाग के शिक्षक डॉ. वाइके सिंह ने बताया कि हॉस्टल में रहने वाले छात्रों के प्रत्येक विंग को अपने बीच से एक-एक प्रॉक्टर चुनने तथा छात्र प्रॉक्टरों की सात सदस्यीय एक कमेटी बनाने का निर्णय भी लिया गया। यह कमेटी मेस में खाने की गुणवत्ता पर नजर रखने के साथ ही सप्ताह के सातों दिन के लिए मेस में परोसे जाने वाले खाने की मेनू बनायेगी। छात्रावासों में हाइजनिक वातावरण के लिए छात्र प्रॉक्टरों की कमेटी व वार्डन्स मिल कर जरूरी कार्य करवायेंगे व उस पर नजर रखेंगे।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शनिवार • 20 नवम्बर • 2021

सीएसए वीसी बागवानी विज्ञान अकादमी के उपाध्यक्ष बने

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में चल रहे भारतीय बागवानी सम्मेलन के दूसरे दिन शुक्रवार को भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी की वार्षिक आमसभा में वर्ष 2022-24 हेतु समिति गठन की घोषणा की गई। घोषणा अकादमी के अध्यक्ष 'पद्मश्री' डॉ.केएल चड्ढा द्वारा की गई। नवगठित समिति में सीएसए कृषि विवि के कुलपति डॉ. डीआर सिंह को उपाध्यक्ष तथा डॉ. एएस दत्त (पंजाब कृषि विवि, लुधियाना), डॉ.शैलेन्द्र राजन (निदेशक, केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान, लखनऊ), डॉ.प्रीतम कालिया (आईएआरआई, नई दिल्ली) एवं डॉ. बलराज सिंह (पूर्व कुलपति कृषि विवि, जोधपुर) को समिति का एग्जीक्यूटिव काउंसलर बनाये जाने की घोषणा की गई।

अकादमी की उक्त सामान्य वैठक में अध्यक्ष 'पद्मश्री' डॉ.केएल चड्ढा ने फलोत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रो.बीएन हजारिका (अरुणाचल प्रदेश), डॉ.आरए कौशिक (उदयपुर, राजस्थान), डॉ.हरविंदर सिंह (पंजाब), डॉ.संजय कुमार द्विवेदी (निदेशक डीआरडीओ, नई दिल्ली) तथा डॉ.हरे कृष्णा (वनारस) को सम्मानित किया गया। इसके अलावा सब्जी विज्ञान में डॉ.आरएस पान (झारखंड), डॉ.राजेश कुमार (वनारस), डॉ.आरके यादव (नई दिल्ली) को अकादमी की फेलोशिप से भी सम्मानित किया गया।

सीएसए कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय बागवानी सम्मेलन के अवसर पर वैज्ञानिकों को सम्मानित करते भारतीय बागवानी विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष डॉ. केएल चड्ढा व सीएसए कुलपति डॉ.डीआर सिंह।

शुक्रवार को सम्मेलन का तृतीय तकनीकी सत्र डॉ.टी.जानकी रमन (कुलपति बागवानी विवि आंध्रप्रदेश) की अध्यक्षता तथा डॉ.पीएल सरोज (बीकानेर राजस्थान) व डॉ.सीपी सचान (अधिष्ठाता दुग्ध विज्ञान, इटावा) की सह अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस सत्र में कम प्रयोग होने वाले विभिन्न फलों का मानव स्वास्थ्य एवं पोषण महत्व को देखते हुए देश के विभिन्न भागों में उनके उत्पादन व उपलब्धता बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। चतुर्थ तकनीकी सत्र में अनुपयुक्त भूमि पर अनार, इमली, बेल के साथ अन्य फसलों को उत्पादित कर भूमि को उत्पादन हेतु योग्य बनाने हुए देश व प्रदेश में फलों की उपलब्धता बढ़ाने पर गहन विचार-विमर्श किया गया। सम्मेलन रविवार तक जारी रहेगा।